अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 73 श्री विजय पुरम, सोमवार , 16 मार्च 2026 web: dt.andaman

कछाल में निकोबारी जनजातियों के लिए एथनो–औषधीय प्रथाओं के वैज्ञानिक सत्यापन एवं आय सृजन में इसकी भूमिका पर जागृति लाई गई

कार निकोबार, 15 मार्च

निकोबारी जनजातियों के लिए एथनो–औषधीय प्रथाओं के वैज्ञानिक सत्यापन तथा इसके माध्यम से आय सृजन की संभावनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम 11 से 14 मार्च, 2026 तक ननकौड़ी द्वीपसमूह के कछाल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्तपोषित परियोजना "एथनो–पशुचिकित्सा जनजातीय औषधीय ज्ञान के वैज्ञानिक सत्यापन एवं हर्बल उत्पाद विकास के माध्यम से निकोबारी जनजातियों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति एवं स्वरोज़गार को प्रोत्साहन" के अंतर्गत आयोजित किया गया।

निर्धारित कार्यक्रम ई–वॉल, जापान टेकरी तथा मीनाक्षी राम नगर गांवों में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 100 जनजातीय लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की प्रधान अन्वेषक एवं समन्वयक डॉ. टी. सुजाता ने जनजातीय कृषक समुदाय को सतत स्वास्थ्य प्रबंधन में स्वदेशी जनजातीय ज्ञान (आईटीके) के महत्व के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेज़ीकरण, वैज्ञानिक सत्यापन, संरक्षण तथा अगली पीढ़ी तक इसका प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि खाद्य पशुओं से संबंधित अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान किया जा सके।

उन्होंने आगे बताया कि आईटीके के वैज्ञानिक सत्यापन से जनजातीय समुदाय को इसके माध्यम से आजीविका के नए अवसर सृजित करने में सशक्त बनाया जा सकता है।

इस दौरान पारंपरिक उपचार करने वाले जनजातीय वैद्यों के साथ संवादात्मक बैठक भी आयोजित की गई, जो स्थानीय रूप से उपलब्ध औषधीय पौधों का उपयोग कर पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का अभ्यास करते हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को ग्रामीण कुक्कुट पालन के वैज्ञानिक प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी गई, जिससे अंडा एवं मांस उत्पादन को बढ़ाया जा सके। यह कछाल के जनजातीय कृषक समुदाय के लिए चिकन मांस का एकमात्र प्रमुख स्रोत है। कार्यक्रम में डॉ. अंकित, पशु चिकित्सा अधिकारी (एसवीओ), कछाल तथा उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा। समग्र रूप से यह कार्यक्रम पारंपरिक ज्ञान को लोकप्रिय बनाने तथा स्वदेशी औषधीय प्रथाओं के माध्यम से निकोबारी जनजातीय कृषक समुदाय की आय बढ़ाने के अवसर तलाशने की दिशा में अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुआ।